लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

आरव शर्मा की शिक्षा रिपोर्ट

सिंह में उदित बुध और गुरु, अध्ययन के पाँचवें भाव में राहु, और लग्न में चौथे व नौवें दोनों भावों के स्वामी: एक जिज्ञासु, स्वतंत्र विद्यार्थी जो विषय को अपना बनाकर सबसे अच्छा सीखता है।

जन्म	स्थान	लग्न	राशि · नक्षत्र
15 अगस्त 1991, 06:40	Jaipur, Rajasthan, India	सिंह	तुला · चित्रा 3

इस रिपोर्ट में

01 आप कैसे सीखते हैं

02 चौथा भाव: नींव

03 पाँचवाँ भाव: बुद्धि

04 नौवाँ भाव: उच्च शिक्षा

05 विषय और दिशाएँ

06 अध्ययन और परीक्षा का समय

07 पारंपरिक उपाय

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 आप कैसे सीखते हैं

आरव, ज्योतिष में शिक्षा बुद्धि के ग्रह बुध, ज्ञान और गुरुओं के ग्रह गुरु, ध्यान के रूप में चंद्रमा, और चौथे, पाँचवें व नौवें भाव से पढ़ी जाती है।

आपके लग्न में बुध और गुरु

आपके बुध सिंह में आपके पहले भाव में, मघा चरण 3 में, वक्री और अस्त हैं। वक्री बुध समीक्षा करते हैं और लौटकर देखते हैं: आप किसी विषय को दूसरी बार पढ़ते समय सबसे गहराई से समझते हैं, और दूसरों से जो छूट गया उसे पकड़ने में बहुत अच्छे हैं। अस्त बुध तब सबसे अच्छा काम करते हैं जब विचार आपके अपने हों और उन पर आपका नाम हो, इसलिए रटने से अधिक प्रोजेक्ट, प्रस्तुतियाँ और स्व-निर्देशित अध्ययन आपके लिए उपयुक्त हैं।

आपके गुरु भी सिंह में आपके पहले भाव में, मघा चरण 1 में, अस्त हैं। लग्न में गुरु अर्थ के प्रति प्रेम और ज्ञान के प्रति स्वाभाविक सम्मान देते हैं; आप केवल कैसे नहीं, क्यों भी जानना चाहते हैं। अस्त होने के कारण अच्छे शिक्षक और मार्गदर्शक आपके लिए बहुत मायने रखते हैं: सही मार्गदर्शक वह ज्ञान बाहर लाता है जो अन्यथा शांत रह सकता है।

> ✦ उदित बुध और गुरु: आप विषय को अपना बनाकर, उसे दोहराकर, और सम्मानित शिक्षक से सबसे अच्छा सीखते हैं।

आपका ध्यान

आपका चंद्रमा तुला में आपके तीसरे भाव में, वर्गोत्तम है। तीसरा भाव प्रयास, लेखन और संवाद का भाव है, और वर्गोत्तम चंद्रमा स्थिर होता है। शांत और सुखद वातावरण में आप अच्छे से ध्यान लगाते हैं, और चर्चा, लेखन और दूसरों को पढ़ाने से जल्दी सीखते हैं।

02 चौथा भाव: नींव

चौथे भाव में वृश्चिक

आपका चौथा भाव, सुख भाव, वृश्चिक है, जिसमें कोई ग्रह नहीं है, और उसका सर्वाष्टकवर्ग अंक 27 है, जो 28 की पारंपरिक प्रबल रेखा के पास है। इसके स्वामी आपके योगकारक मंगल आपके लग्न में बैठे हैं। चौथा भाव आपकी आरंभिक शिक्षा और ज्ञान की नींव बताता है। वृश्चिक गहराई और एकाग्रता देता है: आप कई विषयों को हल्के से छूने के बजाय एक को पूरी तरह समझना पसंद करते हैं।

03 पाँचवाँ भाव: बुद्धि

पाँचवें भाव में धनु, राहु के साथ

आपका पाँचवाँ भाव, पुत्र भाव, जो बुद्धि और अध्ययन का भाव है, धनु है, 27 अंकों के साथ। इसके स्वामी गुरु आपके लग्न में बैठे हैं, और स्वयं पाँचवें भाव में राहु पूर्वाषाढ़ा चरण 4 में हैं।

धनु दर्शन, कानून, उच्च शिक्षा और बड़े विचारों की राशि है। वहाँ राहु नए और अपरंपरागत विषयों, तकनीक और विदेशी विचारों की ओर खिंची एक बेचैन, मौलिक बुद्धि जोड़ते हैं। इसका अर्थ धीमी या पारंपरिक पढ़ाई से अधीरता भी हो सकता है। आप तब सबसे अच्छा करते हैं जब विषय समकालीन, सार्थक और अपने समय से थोड़ा आगे लगे।

> ✦ धनु पंचम भाव में राहु: नए और अपरंपरागत विषयों की ओर खिंची मौलिक, बेचैन बुद्धि।

04 नौवाँ भाव: उच्च शिक्षा

नौवें भाव में मेष

आपका नौवाँ भाव, धर्म भाव, मेष है, 28 अंकों के साथ। इसके स्वामी मंगल आपके लग्न में बैठे हैं, और वे आपके चौथे भाव के भी स्वामी हैं, इसलिए एक ही ग्रह, आपके योगकारक, आपकी शिक्षा की नींव और ऊँचाई दोनों पर शासन करते हैं। उच्च शिक्षा, शोध और अच्छे गुरुओं के अधीन अध्ययन तब अच्छे चलते हैं जब आप स्वयं पहल करते हैं: आवेदन करें, पूछें, और अपनी दिशा स्वयं चुनें।

05 विषय और दिशाएँ

आपकी कुंडली किस ओर झुकती है

सब मिलाकर कुंडली उन विषयों की ओर झुकती है जो विश्लेषण को नेतृत्व और संवाद से जोड़ते हैं: प्रबंधन, कानून, वित्त और अर्थशास्त्र (लग्न में बुध और गुरु, और 37 अंकों वाला वृषभ दसवाँ भाव), डिज़ाइन और कलाएँ (लग्न में आपके दशमेश शुक्र), और तकनीक या नए क्षेत्र (पाँचवें भाव में राहु)।

ये प्रवृत्तियाँ हैं, कोई एक थोपा गया चुनाव नहीं। सबसे प्रबल संकेत कोई विषय नहीं, एक शैली है: आप उन क्षेत्रों में फलते हैं जहाँ आप अपने काम के मालिक हों, उसे प्रस्तुत करें, और ज़िम्मेदारी के पद तक बढ़ें।

06 अध्ययन और परीक्षा का समय

दशा का चित्र

आप 26 अगस्त 2027 तक गुरु महादशा में हैं। गुरु अध्ययन के आपके पाँचवें भाव के स्वामी और ज्ञान के स्वाभाविक कारक हैं, इसलिए यह पूरा काल शिक्षा के पक्ष में रहा है। पाँचवें भाव में बैठे राहु की वर्तमान अंतर्दशा कुछ नया या अपरंपरागत सीखने के पक्ष में है।

आपकी शनि महादशा में अगस्त 2030 से मई 2033 तक की बुध अंतर्दशा परंपरा में पेशेवर योग्यताओं और कौशल के लिए प्रबल काल है।

अगले दो वर्षों का आकाश

31 अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक और जून से नवंबर 2027 तक सिंह, आपके लग्न, पर गुरु का गोचर परंपरा में अध्ययन, परीक्षा और शिक्षकों की मदद का साथ देता है। जून 2027 से और फिर फ़रवरी 2028 से उच्च शिक्षा के आपके नौवें भाव मेष में शनि का गोचर लंबे, अनुशासित अध्ययन का साथ देता है: कई वर्ष लेने वाली डिग्री, प्रमाणपत्र या शोध शुरू करने का अच्छा समय।

> ✦ अच्छे समय: 2026 के अंत और 2027 के मध्य में आपके लग्न पर गुरु का गोचर; लंबे पाठ्यक्रमों के लिए 2027 से नौवें भाव में शनि का गोचर।

07 पारंपरिक उपाय

बुध और गुरु के लिए

बुधवार बुध का दिन है और गुरुवार गुरु का। सरस्वती वंदना या विष्णु सहस्रनाम का पाठ, अध्ययन की जगह को साफ़ और व्यवस्थित रखना, और ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को किताबें या स्कूल की सामग्री देना सीखने के पारंपरिक अभ्यास हैं।

अपने शिक्षकों का सम्मान अस्त गुरु का शास्त्रीय उपाय है। और वक्री बुध के लिए सबसे व्यावहारिक आदत दोहराना है: हर विषय को पहली बार सीखने के कुछ दिन बाद एक बार दोहराएँ।

08 यह रिपोर्ट कैसे बनी

हर स्थिति की गणना iAstroGuru Engine ने की है, लाहिड़ी अयनांश, संपूर्ण राशि भाव और विंशोत्तरी दशा के साथ।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है, और यहाँ कुछ भी शैक्षिक, करियर या पेशेवर सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।

Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)
Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:34 IST
Document ID IAG-KGQT-GGMT-1AKD